

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्राचार्य/डीन,
वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान,
श्रीनगर, पौड़ी गढ़वाल।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: ०२ फरवरी, 2009

विषय:

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, (श्रीनगर मेडिकल कालेज) की स्थापना हेतु विभिन्न संकायों में प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर/असिस्टेंट प्रोफेसर तथा कनिष्ठ संकाय सदस्यों की संविदा अवधि बढ़ाए जाने तथा संविदा पर नियुक्ति हेतु समितियों के गठन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 1858 / XXVII(1)/2009-62/2006 दिनांक 13 अक्टूबर, 2006 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। इस क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान के प्रथम नवीनीकरण तक सृजित पदों के सापेक्ष संकाय सदस्यों को संविदा पर एक वर्ष के लिए भरे जाने की निम्नलिखित शर्तों के अधीन निम्नलिखित पदों पर अनुमति प्रदान की जाती है तथा यह संविदा अवधि लोक सेवा आयोग से नियमित नियुक्ति होने तक बढ़ायी जा सकती है:-

1. प्रोफेसर
2. एसोसिएट प्रोफेसर
3. असिस्टेंट प्रोफेसर
4. सीनियर रेजिडेंट एवं जूनियर रेजिडेंट
5. ट्यूटर/डिप्लोमेट

1. उक्त पदों के लिए योग्यता/अर्हता मेडिकल काउन्सिल ऑफ इण्डिया एजुकेशन रेगुलेशन एक्ट 1998 में उल्लिखित है, के अनुरूप होगी।
2. अनुसूचित जातियों, जनजातियों अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं और अन्य श्रेणी के अभ्युक्ति के लिए आरक्षण/क्षैतिज आरक्षण भर्ती के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार होगी।
3. उपरोक्त उल्लिखित पदों पर संविदा के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को निम्नानुसार मासिक मानदेय देय होगा।
4. उक्त संकाय सदस्यों को नियत वेतनमान तथा अन्य सुविधाएं शासनादेश संख्या 1018 / XXVIII(1)/2007-84/2007 तथा शासनादेश संख्या 1858 / XXVIII(1)/2006-62/2006 दिनांक 13 अक्टूबर, 2006 के अनुसार प्रदान किया जाएगा।

5. सृजित पदों के सापेक्ष संविदा पर नियुक्ति केवल सृजित/स्वीकृत पदों तक ही सीमित रखी जायेगी, जैसा कि पूर्ति/नियुक्ति के समय पदों के सृजन की स्थिति होगी। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि उक्त नियुक्ति से अनावश्यक 'नियमों से इतर' वित्तीय उपाशय सरकार पर नहीं है।
6. इसके लिए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा। आवेदन का प्रारूप चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा विज्ञापन से पूर्व निर्धारित किया जायेगा। तदोपरान्त चयनित अभ्यर्थियों को 01 वर्ष के लिए संविदा आधार पर तैनात किया जायेगा तथा एम0सी0आई0 के मानकों के आधार पर यह आवश्यक हुआ तो यह संविदा अवधि लोक सेवा आयोग से नियमित नियुक्ति होने तक या नियमित नियुक्ति तक जो भी पहले हो बढ़ाई जा सकती है। चयन समिति एम0सी0आई0 मानकों के अनुसार निर्धारित अर्हताएं पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वाक-इन-इण्टरव्यू प्रक्रिया के दौरान निर्गत कर सकेंगे। ताकि यथाशीघ्र चयनित अभ्यर्थी अपनी योगदान आख्या प्रस्तुत कर सकें।
7. शासनादेश संख्या 1858/XXVIII(1)/2006-62/2006 दिनांक 13 अक्टूबर, 2006 द्वारा गठित समितियों में से प्रधानाचार्य हेतु गठित समिति को यथावत रखते हुए शेष फैकल्टी सदस्यों के लिए गठित समिति में सशोधन किया जाना होगा क्योंकि इन समितियों में प्रमुख सचिव एवं सचिव नामित है। अतः निम्नवत समिति गठित की जाती है:-

1. प्रोफेसर/विभागाध्यक्ष, एसोसिएट प्रोफेसर तथा असिस्टेंट प्रोफेसर के चयन हेतु:-

- | | |
|--|----------------|
| • प्रमुख सचिव/सचिव, चिकित्सा शिक्षा | अध्यक्ष, |
| • प्राचार्य, वीर चन्द्र सिंह ग0रा0आयु0शो0संस्थान | सदस्य सचिव, |
| • अपर सचिव, कार्मिक | सदस्य |
| • सलाहकार/समन्वयक, चिकित्सा शिक्षा
(तैनाती की स्थिति में) | सदस्य |
| • विशेष विशेषज्ञ जो एम0सी0आई0 के मानकों से परिचित हो | आमंत्रित सदस्य |
- (नोट:-उपरोक्त समिति में यदि किसी सदस्य की तैनाती चिकित्सा शिक्षा में नहीं है तो उन सदस्यों को छोड़ते हुए शेष सदस्यों द्वारा चयन समिति का गठन किया जायेगा। विषय विशेषज्ञ आमंत्रित सदस्य के रूप में प्रतिभाग करेंगे न कि समिति के सदस्य के रूप में)

2. सीनियर रेजीडेंट, जूनियर रेजीडेंट तथा ट्यूटर/डिमांस्ट्रेटर के चयन हेतु:-

- | | |
|---|------------|
| • प्राचार्य, वीर चन्द्र सिंह गढवाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान | अध्यक्ष |
| • मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/चिकित्सा अधीक्षक बेस हॉस्पिटल | सदस्य सचिव |
| • दो वरिष्ठतम प्रोफेसर (प्राचार्य द्वारा नामित) | सदस्य |

नोट:-उक्त समिति वाक-इन-इण्टरव्यू की प्रक्रिया प्रारम्भ करने हेतु 40 प्रतिशत कोरम पूर्ण किया जाना अनिवार्य होगा। रांकाय सदस्यों के पदों को प्रादेशिक चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा में

कार्यरत एम0बी0बी0एस0 शैक्षिक योग्यता धारक तथा डिप्लोमा धारक, (एम0सी0आई0) के मानकों के अनुसार, चिकित्साधिकारी द्वारा भरे जाने में वरियता प्रदान की जायेगी। प्रादेशिक चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा में चिकित्साधिकारी उपलब्ध न होने की स्थिति में उक्त चयन समिति द्वारा वाक-इन-इन्टरव्यू के माध्यम से संबिदा पर चयन की प्रक्रिया पूर्ण की जायेगी। इन्टरव्यू के दौरान उक्त समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों के यात्रा भत्ता तथा अन्य व्यय का भुगतान महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा प्रावधानित बजट की संगत मदों से किया जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के अर्द्ध0शा0 संख्या-841(P)/वित्त नियंत्रण अनु0-02/2006 दिनांक 02 मार्च, 2009 में प्राप्त सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा0राकेश कुमार)
सचिव

संख्या एवं दिनांक तदैव

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. गोपन (मंत्री परिषद) अनुभाग।
3. महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण।
4. निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
5. जिलाधिकारी, पौड़ी।
6. कुल सचिव, हे0नं0ब0 गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर पौड़ी गढ़वाल।
7. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा, महानिदेशालय, देहरादून।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/पौड़ी।
9. मुख्य चिकित्साधिकारी, पौड़ी।
10. बजट राजकोषिय नियोजन एवं रांशोधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
11. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
12. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
13. आयुक्त कुमाँऊ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड, नैनीताल, पौड़ी।
14. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

18/3

(एन0के0जोशी)
अपर सचिव